कोटद्वार,रविवार
26 मई 2024
वर्षः 46
अंकः 35 पृष्ठः 8
मूल्यः 2.00
RNI No.UTTHIN/2005/16338

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आई महिला, मौत

रुद्रप्रयाग : घोलतीर क्षेत्र के मरोड़ा गांव में घास काटने गई एक महिला की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है। राजस्व पुलिस द्वारा महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार शनिवार सुबह जंगल में घास काटने गई मरोड़ा गांव की 30 वर्षीय पूजा देवी पत्नी राकेश रावत अचानक हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गई। महिला को करंट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलने पर ग्रामीण और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तब तक काफी देर हो चुकी थी। विद्युत निगम के उप खंड अधिकारी रोहित चौहान ने बताया कि यह हाईटेंशन लाइन पिटकुल की है। महिला घास काटते वक्त लाइन की चपेट में आ गई जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही राजस्व पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। जहां शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेजा गया। इधर, घटना के बाद से क्षेत्र में शोक की लहर है।

बॉलीवुड गायक जुबिन नौटियाल के घर पहुंची देव डालियां

विकासनगर।शिलगूर बिजट महाराज मंदिर सिमोग से एक रात प्रवास के बाद शनिवार को सुबह बैराटखाई से तीनों देव डोलियां क्यारी गांव के लिए रवाना हुईं। बॉलीवुड के मशहूर गायक जुबिन नौटियाल देवता को लेने बैराटखाई पहुंचे। जुबिन ने सर्वप्रथम देवता के दर्शन किए। इस अवसर पर खत कौरू के ग्रामीणों ने देव दर्शन कर भंडारा ग्रहण किया। जिसके बाद शिलगूर, बिजट, चूड़ेश्वर महाराज की देव डोली ने जुबिन नौटियाल के पैतृक गांव क्यारी के लिए प्रस्थान किया। इस यात्रा में सैंकड़ों लोग देवता के साथ साथ पग यात्रा कर रहे हैं।

देव डोलियों ने सुबह करीब आठ बजे बैराटखाई से क्यारी के लिए प्रस्थान किया। दस बजे के करीब देव डोलियां नागथात पहुंची। जहां पहले से ही सैकड़ों श्रद्धालु देव दर्शन करने पहुंचे हुए थे। जहां श्रद्धालुओं ने जलपान किया साथ ही महाराज के जयकारे भी लगाए। इस दौरान श्रद्धालुओं ने पारंपारिक हारूल तांदी नृत्य भी किया। जलपान के बाद देवता की डोलियां क्यारी के लिए रवाना हुई। करीब एक बजे देवता की तीनों डोलियां विकासनगर विधायक मुन्ना सिंह चौहान के पैतृक गांव रखटाड़ पहुंची।

बिहार को बदनाम मत करो, कन्हैया कुमार पर क्यों भड़के मनोज तिवारी

नई दिल्ली । दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर आज वोट डाले जा रहे हैं। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ रही है। ऐसे में इस बार का मुकाबला बेहद दिलचस्प माना जा रहा है। इस बीच उत्तर–पूर्वी दिल्ली से बीजेपी उम्मीदवार ने उनके खिलाफ मैदान में उतरे कन्हैया कुमार पर जमकर निशाना साधा और कहा कि जब जवान नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान देते हैं तो कन्हैया कुमार जैसे लोग जश्न मनाते हैं। कन्हैया कुमार और मनोज तिवारी दोनों बिहार से हैं। ऐसे में दोनों के मुकाबले पर मनोज तिवारी ने कहा, बिहार को मबदनाम करो। बिहार भारत माता की जय वाला है भारत के टुकड़े–टुकड़े वाला नहीं है। उन्होंने कहा, यह वोट देशहित में है और हर व्यक्ति मोदी जी के साथ खड़ा है। विपक्ष के लोगों ने अपना परिचय दे दिया है। जब हमारे अर्धसैनिक बलों के जवान नक्सलियों से लड़ते हुए अपनी जान देते हैं तो कन्हैया कुमार जैसे लोग जश्न मनाते हैं।

1987 दोहराने की गलती न करिए, मतदान केंद्र के बाहर धरने पर बैठ गईं महबूबा मुफ्ती

श्रीनगर। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में जम्मू–कश्मीर के अनंतनाग–रौजौरी संसदीय क्षेत्र में भी वोट डाले जा रहे हैं। इसी बीच पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने शनिवार को अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पोलिंग एजेंट की कथित गिरफ्तारी के खिलाफ बिजबेहरा में धरने पर बैठ गईं। गौरतलब है कि सुश्री महबूबा अनंतनाग–राजौरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव भी लड़ रही हैं और आज इस सीट पर वोटिंग हो रही है।

गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब के कपाट विधि विधान के साथ खुले

● श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में स्नान कर गुरुद्वारे में टेका मत्था

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : शनिवार को शुभ मुहूर्त पर 9 बजकर 30 मिनट पर श्री हेमकुंड साहिब गुरुद्वारे के कपाट ग्रीष्मकाल के लिए खोल दिए गए हैं। कपाट खुलने के मौके पर हजारों भक्तों ने पवित्र सरोवर में स्नान कर गुरुद्वारे में मत्था टेका।हेमकुंड साहिब के कपाट खुलने के मौके पर इस वर्ष की यात्रा का पहला जत्था पंच प्यारों की अगुवाई व बैंड बाजों की धुनों के साथ गुरुद्वारा साहिब पहुंचा। जिसके पश्चात गुरुद्वारा प्रबंधक सरदार गुरनाम सिंह व मुख्य ग्रंथी मिलाप सिंह ने प्रातः 9 बजकर 30 मिनट पर गुरु ग्रंथ साहिब को सुखासन स्थल से दरबार साहिब में विराजमान करने के बाद पहली अरदास कर हुक्मनामा जारी किया गया। जिसके बाद 10 बजकर 15 मिनट पर सुखमनी साहिब का पाठ, रागी जत्थों की ओर से गुरबाणी कीर्तन किया गया। यात्रा मार्ग पर जहां तीर्थयात्रियों की सुरक्षा

के लिए एसडीआरएफ तैनात की गई है। वहीं धाम में प्रतिदिन 35 सौ तीर्थयात्रियों के दर्शनों की व्यवस्था बनाई गई है। गुरुद्वारा श्री हेमकुंड साहिब ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्रजीत सिंह बिंद्रा ने कहा कि यात्रा मार्ग पर बर्फ को देखते हुए जहां धाम में 35 सौ श्रद्धालुओं के दर्शन की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं बुजुर्ग, बच्चे और बीमार श्रद्धालुओं से कुछ समय बाद तीर्थ यात्रा करने का अनुरोध किया जा रहा है। उन्होंने शासन के निर्देशों के अनुसार गुरुद्वारे के आसपास रील व ब्लॉक न बनने की भी तीर्थयात्रियों से अपील की है। इस मौके पर भारतीय सेना के 418 इंडीपेंडेंट कोर के कर्नल वीरेन्द्र ओला, ब्रिगेडियर एमएस ढिल्लों गोविन्द घाट गुरुद्वारे के प्रबंधक सरदार सेवा सिंह आदि मौजूद थे।

बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी

देहरादून। केदारनाथ–यमुनोत्री, बदरीनाथ समेत चारधाम यात्रा रूट पर मौसम को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। उत्तराखंड मौसम पूर्वानुमान में यात्रा रूट पर बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। ऐसे में चारधाम यात्रा पर जाने वाले तीर्थ यात्रियों से अपील है कि वे सुरक्षित होकर यात्रा करें।मौसम विभाग की ओर से जारी पूर्वानुमान में उत्तराखंड के पर्वतीय जिलों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना जताई है। 26 से 28 मई के बीच कई जिलों को येलो अलर्ट में रखा गया है। यहां आकाशीय बिजली चमकने, तेज हवाएं चलने और बारिश से संवेदनशील स्थानों पर चट्टानें खिसकने के साथ ही बरसाती नालों में अचानक पानी बढ़ने की चेतावनी दी है।मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के मुताबिक उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, टिहरी, अल्मोड़ा और चंपावत जिले में आज कहीं–कहीं हल्की बारिश और कुछ स्थानों पर गर्जन के साथ बारिश के आसार हैं। अन्य जिलों में मौसम शुष्क रहेगा। मैदानी जिलों में दिन के समय तेज हवाएं चलेंगी । 26 मई से पूरे राज्य में मौसम में बदलाव की उम्मीद दिख रही है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश हो सकती है। खासतौर पर पर्वतीय जिलों में कुछ स्थानों पर एक–दो दौर की तेज बारिश के आसार बन रहे हैं। इसके लिए पर्वतीय जिलों के लिए अलर्ट जारी करते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

बाबा रामदेव और बालकृष्ण पर अब चलेगा क्रिमिनल केस

नई दिल्ली। भ्रामक विज्ञापनों को लेकर पतंजलि आयुर्वेद के संस्थापक बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के खिलाफ अब क्रिमिनल केस चलेगा। एकअदालत ने इसकी इजाजत दे दी है। 3 जून को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। इस केस में रामदेव और बालकृष्ण को व्यक्तिगत रूप से पेश होने की भी संभावना है। आपको बता दें कि इससे पहले दोनों ही सुप्रीम कोर्ट की अवमानना को लेकर कार्यवाही का सामने कर रहे हैं। देश की सर्वोच्च अदालत ने उन्हें सशरीर पेश होने का आदेश दिया था। अप्रैल 2024 में ड्रग्स इंस्पेक्टर द्वारा दायर मामले में केरल के कोझिकोड में फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई होनी है। ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 की धारा 3 (बी) और 3 (डी) के तहत मामला दर्ज किया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में निर्देश दिया था कि पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े अवमानना मामले में उनकी उपस्थिति अनिवार्य है।

केस्ट्रेल एविएशन कंपनी की उड़ानों पर लगी रोक

देहरादून । केदारनाथ में हेलीकॉप्टर की आपात लैंडिंग के बाद ऐक्शन हुआ है। नागरिक उड्डयन विभाग ने जांच पूरी होने तक केस्ट्रेल एविएशन कंपनी की केदारघाटी में उड़ानों पर रोक लगा दी है। ऐसे में तीर्थ यात्रियों की मुश्किलें बढ़ सकतीं हैं।उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) के सीईओ सी रविशंकर के मुताबिक, डीजीसीए को इसकी सूचना दी गई है। गत वर्ष भी इसी कंपनी के हेलीकॉप्टर की चपेट में आने से यूकाडा के वित्त नियंत्रक अमित सैनी का निधन हो गया था। तब भी कंपनी की सेवाओं पर रोक लगी थी।

दस मिनट का सफर ही बढ़ा देता है धड़कनें

केदार घाटी का हवाई सफर भले ही 10 मिनट का ही क्यों न हो, लेकिन यात्रा का यह समय भी धड़कने बढ़ाने वाला रहता है। कई बार मौसम खराब होने के चलते पायलट इमरजेंसी लैडिंग करानी पड़ती है। केदारनाथ में नौ हेलीकॉप्टर पूरे दिन एक के बाद एक उड़ान भरते हैं। गुप्तकाशी हेलीपैड से केदारनाथ जाने में 10 मिनट और शेरसी से साढ़े सात मिनट लगते हैं।

महिला चिकित्सक से छेड़छाड़ मामले के बाद एक और बवाल

● नर्सिंग ऑफिसर्स हड़ताल पर गए

ऋषिकेश। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में नर्सिंग आफिसर्स को अभद्र भाषा का प्रयोग करने वाले दो चिकित्सकों के खिलाफ करवाई की मांग को लेकर नर्सिंग प्रोफेशनल डेवलपमेंट एसोसिएशन (एनपीडीए) के आह्वान पर एम्स के नर्सिंग स्टाफ शनिवार की सुबह से हड़ताल पर चले गए हैं। आरोप है कि महिला चिकित्सक से छेड़छाड़ मामले में आंदोलन के दौरान दो चिकित्सकों ने नर्सिंग आफिसर्स के लिए सोशल मीडिया में अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया था।

एनपीडीए की ओर से शुक्रवार को पूरे दिन डीन एकेडमिक कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया गया था। कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर मीनू सिंह के साथ यूनियन के नेताओं की बातचीत भी हुई

थी। उसके बाद हृदय एवं शल्य चिकित्सा विभाग के एडिशनल प्रोफेसर डा. अंशुमन दरबारी की ओर से दोनों आरोपी चिकित्सकों को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया था। संगठन इतने से संतुष्ट नहीं है, उनकी मांग है कि यह नोटिस एम्स प्रशासन की ओर से जारी किया जाए और तब तक दोनों आरोपित चिकित्सकों को निलंबित रखा जाए। एनपीडीए के अध्यक्ष संजीव कुमार जांगिर और महासचिव दिनेश लुहार की ओर से शुक्रवार को ही एम्स प्रशासन को हड़ताल का नोटिस दे दिया गया था। शनिवार की सुबह ट्रामा, इमरजेंसी तथा गायनी ओटी को छोड़कर अन्य सभी सेवाओं में तैनात नर्सिंग आफिसर हड़ताल पर चले गए। मेडिकल सुपरीटेंडेंट कार्यालय के बाहर सभी लोग धरना देकर बैठे हैं। उधर एम्स के मेडिकल सुपरीटेंडेंट प्रो. संजीव कुमार मित्तल ने संस्थान में अस्थाई मुद्दों की निगरानी के लिए चिकित्सकों की छह सदस्य कमेटी का गठन किया है।

आरोपी को कंधे पर लेकर नाच रहे, केजरीवाल पर बरसे पीएम मोदी

नई दिल्ली । शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 21 दिनों की अंतरिम जमानत पर बाहर हैं। जेल से बाहर आते ही उन्होंने चुनाव प्रचार में पूरी ताकत झोंकते हुए ताबड़तोड़ रैलियां और रोड शो किए। अलग–अलग राज्यों में जाकर इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के साथ जनसभाएं भी की और कई मीडिया चैनल से खास बातचीत भी की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अब इसी बात को लेकर उन पर निशाना साधा है और कहा, जिन पर गंभीर आरोप हैं, उन्हें सार्वजनिक तौर पर कंधे पर लेकर नाचा जा रहा है। एक मीडिया चैनल से बातचीत में पीएम मोदी ने उन्होंने सवाल किया कि गंभीर आरोपों का सामना करने वाले व्यक्ति का मीडिया इंटरव्यू कैसे कर

सकता है।पीएम मोदी ने कहा, पहले के जमाने में डाकुओं का महिमामंडन होता था। पूरी कवर स्टोरी मिलती थी उनको। दुर्भाग्यवश अब राजनेताओं को भी यही लाभ मिल रहा है। मैं हैरान हूं कि कोई भ्रष्ट व्यक्ति का इंटरव्यू लेने जाए। इस दौरान उन्होंने चार्ल्स शोभराज का भी जिक्र किया और कहा एक चार्ल्स शोभराज था जिसका लोग इंटरव्यू करने जाते थे और आज मैं यह देख रहा हूं। पीएम मोदी ने कहा यह पतन है और यही मेरी चिंता है। इस दौरान पीएम मोदी ने स्कूल में नकल करते बच्चे का भी उदाहरण दिया और कहा कि सार्वजनिक जीवन में कोई जिम्मेदारी नहीं रह गई है। एक जमाना था जब कोई बच्चा नकल करते पकड़ा जाता था तो महीनेभर वह स्कूल नहीं जाता था। माता–पिता भी शर्माते थे। लेकिन आज बेशर्मी के साथ जिन पर गंभीर आरोप लगे हैं, उन्हें कंधे पर लेकर नाचा जा रहा है।

अनुभवी चोर से भी की थी तुलना

इससे पहले पीएम मोदी ने केजरीवाल की तुलना अनुभवी चोर से की थी। पीएम मोदी ने गुरुवार को एक इंटरव्यू में कहा था कि केजरीवाल अफसर रह चुके हैं। उन्हें पता है सरकार किस तरह करती है, वह तो घेराबंदी कर ही लेंगे। जो अनुभवी चोर होता है, उसे सुविधा रहती है। जो सरकार में रहा अफसर होगा उसे पता है कि सीबीआई ऐसे जाएगी, ईडी ऐसे जाएगी।

बेहद जरूरी है संकटग्रस्त जैव प्रजातियों का संरक्षण

—योगेश कुमार गोयल

जीव–जंतु तथा पेड़–पौधे भी मनुष्यों की ही भांति ही धरती के अभिन्न अंग हैं लेकिन मनुष्य ने अपने निहित स्वार्थों तथा विकास के नाम पर न केवल वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों को बेदर्दी से उजाड़ने में बड़ी भूमिका निभाई है बल्कि वनस्पतियों का भी तेजी से सफाया किया है। धरती पर अपना अस्तित्व बनाए रखने के लिए मनुष्य को प्रकृति प्रदत्त उन सभी चीजों का आपसी संतुलन बनाए रखने की जरूरत होती है, जो उसे प्राकृतिक रूप से मिलती हैं। इसी को पारिस्थितिकी तंत्र या इकोसिस्टम भी कहा जाता है लेकिन चिंतनीय स्थिति यह है कि धरती पर अब वन्य जीवों तथा दुर्लभ वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों का जीवन चक्रसंकट में है। वन्यजीवों की असंख्य प्रजातियां या तो लुप्त हो चुकी हैं या लुप्त होने के कगार पर हैं। पर्यावरणीय संकट के चलते जहां दुनियाभर में जीवों की अनेक प्रजातियों के लुप्त होने से वन्य जीवों की विविधता का बड़े स्तर पर सफाया हुआ है, वहीं हजारों प्रजातियों भाग्य से ज्यादा कर्म को महत्व देता हो। जो भागना नाही जागना सिखाए। साधनों कि बजाय साधना में मन लगाए। जिससे मिलने से व्यथा व्यवस्था में, कोलाहल मौन में एवासना उपासना में बदल जाए। जो कान नहीं प्राण फूंकने वाला हो। वैसे तो माता–पिता और आचार्य भी गुरु है। पर इनका दायरा सीमित है। थोड़े समय बाद ये तीनों साथ छोड़ देते है। लेकिन दीक्षा गुरु लोक से परलोक तक आपका साथ निभाते है, जन्म जन्मान्तर के क्लेश मिटा देते है। व्यक्ति की जिन्दगी दो भागो में बंट जाती है–गुरु से मिलने से पहले और गुरु से मिलने के बाद के अस्तित्व पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं। यही स्थिति वनस्पतियों के मामले में भी है। वन्य जीव–जंतु और उनकी विविधता धरती पर अरबों वर्षों से हो रहे जीवन के सतत् विकास की प्रक्रिया का आधार रहे हैं। वन्य जीवन में ऐसी वनस्पति और जीव–जंतु सम्मिलित होते हैं, जिनका पालन–पोषण मनुष्यों द्वारा नहीं किया जाता। आज मानवीय क्रियाकलापों तथा अतिक्रमण के अलावा प्रदूषण वातावरण और प्रकृति के बदलते मिजाज के कारण भी दुनियाभर में जीव–जंतुओं तथा वनस्पतियों की अनेक प्रजातियों के अस्तित्व पर दुनियाभर में संकट के बादल मंडरा रहे हैं। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित अपनी पुस्तक प्रदूषण मुक्त सांसें में मैंने विस्तार से यह उल्लेख किया है कि विभिन्न वनस्पतियों और जीव–जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण किस प्रकार असंतुलित होता है। दरअसल विभिन्न वनस्पतियों और जीव–जंतुओं की संख्या में कमी आने से समग्र पर्यावरण जिस प्रकार असंतुलित हो रहा है, वह पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बना है। पर्यावरण के इसी असंतुलन का परिणाम पूरी दुनिया पिछले कुछ दशकों से गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं और प्राकृतिक आपदाओं के रूप में देख और भुगत भी रही है। लगभग हर देश में कुछ ऐसे जीव–जंतु और पेड़–पौधे पाए जाते हैं, जो उस देश की जलवायु की विशेष पहचान होते हैं लेकिन जंगलों की अंधाधुंध कटाई तथा अन्य मानवीय गतिविधियों के चलते जीव–जंतुओं के आशियाने लगातार बड़े पैमाने पर उजड़ रहे हैं, वहीं वनस्पतियों की कई प्रजातियों का भी अस्तित्व मिट रहा है। हालांकि जीव–जंतुओं तथा पेड़–पौधों की विविधता से ही पृथ्वी का प्राकृतिक सौन्दर्य है, इसलिए भी लुप्तप्रायः पौधों और जीव–जंतुओं की अनेक प्रजातियों की उनके प्राकृतिक निवास स्थान के साथ रक्षा करना पर्यावरण संतुलन के लिए भी बेहद जरूरी है। इसीलिए पृथ्वी पर मौजूद जीव–जंतुओं तथा पेड़–पौधों के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए तथा जैव विविधता के मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता और समझ बढ़ाने के लिए प्रति वर्ष 22 मई को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। 20 दिसम्बर 2000 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा प्रस्ताव पारित करके इसे मनाने की शुरूआत की गई थी। इस प्रस्ताव पर 193 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे। दरअसल 22 मई 1992 को नैरोबी एक्ट में जैव विविधता पर अभिसमय के पाठ को स्वीकार किया गया था, इसीलिए यह दिवस मनाने के लिए 22 मई का दिन ही निर्धारित किया गया।

धरती पर पेड़–पौधों की संख्या बड़ी तेजी से घटने के कारण अनेक जानवरों और पक्षियों से उनके आशियाने छिन रहे हैं, जिससे उनका जीवन संकट में पड़ रहा है। पर्यावरण विशेषज्ञों का स्पष्ट कहना है कि यदि इस ओर जल्दी ही ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में स्थितियां इतनी खतरनाक हो जाएंगी कि धरती से पेड़–पौधों तथा जीव–जंतुओं की अनेक प्रजातियां विलुप्त होकर सदा के इतिहास के पन्नों का हिस्सा बन जाएंगी। माना कि धरती पर मानव की बढ़ती जरूरतों और सुविधाओं की पूर्ति के लिए विकास आवश्यक है लेकिन यह हमें ही तय करना होगा कि विकास के इस दौर में पर्यावरण तथा जीव–जंतुओं के लिए खतरा उत्पन्न न हो। प्रदूषण मुक्त सांसें पुस्तक में चेतावनी देते हुए स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि विकास के नाम पर वनों की बड़े पैमाने पर कटाई के साथ–साथ जीव–जंतुओं तथा पक्षियों से उनके आवास छीने जाते रहे और ये प्रजातियां धीरे–धीरे धरती से एक–एक कर लुप्त होती गई तो भविष्य में उससे उत्पन्न होने वाली भयावह समस्याओं और खतरों का सामना हमें ही करना होगा।

दरअसल बढ़ती आबादी तथा जंगलों के तेजी से होते शहरीकरण ने मनुष्य को इतना स्वार्थी बना दिया है कि वह प्रकृति प्रदत्त उन साधनों के स्रोतों को भूल चुका है, जिनके बिना उसका जीवन ही असंभव है। आज अगर खेतों में कीटों को मारकर खाने वाले चिड़िया, मोर, तीतर, बटेर, कौआ, बाज, गिद्ध जैसे किसानों के हितैषी माने जाने वाले पक्षी भी तेजी से लुप्त होने के कगार हैं तो हमें आसानी से समझ लेना चाहिए कि हम भयावह खतरे की ओर आगे बढ़ रहे हैं और हमें अब समय रहते सचेत हो जाना चाहिए।

भारत के युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की दर आखिर क्यों

—रंजना मिश्रा

भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, किंतु एक चिंताजनक पहलू जो इस विकास यात्रा में बाधा बनकर उभर रहा है, वह है युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की दर। यह ज्वलंत मुद्दा न केवल सामाजिक चिंता का विषय बन गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। दरअसल भारत अब दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्या दर वाला देश बन गया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट के आंकड़े भारत में आत्महत्या की गंभीर स्थिति को उजागर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में भारत में 1.71 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया के अन्य देशों में सबसे अधिक है। यह प्रति एक लाख जनसंख्या पर 12.4 प्रतिशत की आत्महत्या दर के बराबर है, जो अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। यह आंकड़ा चिंताजनक है, खासकर जब हम यह भी जानते हैं कि भारत में आत्महत्या के मामलों की वास्तविक संख्या अंदाजों से कहीं अधिक हो सकती है। अपर्याप्त पंजीकरण प्रणाली, मृत्यु के चिकित्सा प्रमाणन की कमी और आत्महत्या से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण कई मामलों का पता तक नहीं चल पाता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 41 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। भारत में युवा महिलाओं के लिए मृत्यु का प्रमुख कारण भी आत्महत्या ही बन गया है।

युवाओं में आत्महत्या के पीछे अनेक जटिल कारण सम्मिलित हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, सामाजिक आर्थिक समस्याएं, प्रेम संबंधों में असफलता, व्यसन और घरेलू हिंसा आदि इसके कुछ प्रमुख कारण हैं। भारत में युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का बोझ काफी ज्यादा है, लेकिन उनमें से ज्यादातर इसका उपचार नहीं कराते। परीक्षाओं में सफलता का अत्यधिक दबाव, अभिभावकों और शिक्षकों की अपेक्षाएं और असफलता का डर युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल सकता है। गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव और परिवार में तनाव भी आत्महत्या के लिए जोखिम कारक बन सकते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण प्रेम संबंध, ब्रेकअप और अकेलापन भी युवाओं को आत्महत्या के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसी प्रकार शराब और मादक द्रव्यों का सेवन भी आत्महत्या के जोखिम कारकों में शामिल है। युवाओं के बीच इंटरनेट के उपयोग में होने वाली उल्लेखनीय वृद्धि भी आत्महत्या में प्रमुख भूमिका अदा करती है। इसके कुछ अन्य कारकों में साइबर बुलिंग, लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, और सामाजिक मूल्यों में गिरावट भी शामिल हो सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आत्महत्या का एक बड़ा कारण हैं। भारत में लगभग 54 प्रतिशत आत्महत्याएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। नकारात्मक एवं दर्दनाक पारिवारिक मुद्दे भी आत्महत्या के एक बड़े कारण के रूप में देखे गए हैं और भारत में इनके कारण होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 36 प्रतिशत हैं। पढ़ाई के दबाव से यानी शैक्षणिक तनाव से होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 23 प्रतिशत पाए गए हैं। इसी प्रकार भारत में होने वाली आत्महत्याओं में सामाजिक एवं जीवनशैली कारकों का लगभग 20 प्रतिशत और हिंसा का 22 प्रतिशत योगदान रहता है। इसके अलावा आर्थिक संकट के कारण 9.1 प्रतिशत और संबंधों की वजह से लगभग 9 प्रतिशत आत्महत्याएं भारत में देखी गई हैं। इसी प्रकार युवा लड़कियों और महिलाओं में कम उम्र में विवाह, कम उम्र में मां बनना, निम्न सामाजिक स्थिति, घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और लैंगिक भेदभाव भी आत्महत्या के महत्वपूर्ण कारक हैं। आत्महत्या के आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में परीक्षा में असफलता के कारण 2095 लोगों ने आत्महत्या की थी। सोशल मीडिया या मीडिया के माध्यम से आत्महत्या से संबंधित प्रसारित होने वाले समाचारों का भी समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह भी आत्महत्या का एक जोखिम कारक बनता है। आत्महत्या के किसी विशेष कारक की पहचान करना और उसका समाधान ढूंढ़ना बहुत मुश्किल होता है। फिर भी यह

जरूरी है कि हम इन कारणों को समझें और उन्हें दूर करने के लिए मिलकर काम करें।इस भीषण समस्या का समाधान ढूंढ़ने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार, शैक्षणिक प्रणाली में सुधार, सामाजिक–आर्थिक सहायता, प्रेम संबंधों में परामर्श, व्यसन से मुक्ति, हेल्पलाइन और सहायता समूह, मीडिया की जिम्मेदारी और सामुदायिक जागरूकता शामिल हैं। इसके लिए सरकारों, गैर–सरकारी संगठनों और समुदायों को मिलकर महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए, ताकि इस सामाजिक कलंक को कम किया जा सके और युवाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समस्याओं का सामना करने के लिए स्वस्थ तरीके सिखाना बहुत आवश्यक है।

दरअसल आत्मघाती व्यवहार में संलग्न युवाओं को यह जानकारी देनी आवश्यक है कि वे जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनका वैकल्पिक और उचित समाधान मौजूद है। अगर इस प्रकार समस्याओं से परेशान युवाओं से लगातार बातचीत की जाए और उन्हें अच्छी प्रकार समझाया जाए, तो आत्महत्या जैसे बड़े संकट से उन्हें बचाया जा सकता है।युवाओं को इस प्रकार समझाना होगा कि वे समस्या का सामना करते समयए किसी भी प्रकार की मदद मांगने में संकोच न करें। इसके लिए उनके व्यवहार में सुधार करने की आवश्यकता होगी। युवाओं को आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति से बचने के लिए अपने क्रोध के आवेग को रोकना होगा और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। युवाओं को आत्महत्या से बचाने के लिएए उनकी मानसिक परेशानियों की शीघ्र पहचान करनी चाहिए और अनुकूल वातावरण में उनकी देखभाल के समुचित प्रावधान होने चाहिए। आत्महत्या की प्रवृत्ति रोकने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिएए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाना और उन्हें सस्ती दर पर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाकर परीक्षाओं में सफलता के दबाव को कम करना होगा और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। साथ ही गरीब और जरूरतमंद युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना भी जरूरी है। युवाओं को प्रेम संबंधों में आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए परामर्श और सहायता प्रदान करना चाहिए। नशे से ग्रस्त युवाओं के लिए नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना करनी चाहिए और उन्हें उपचार प्रदान करना चाहिए। आत्महत्या की प्रवृत्ति से ग्रस्त युवाओं और उनके परिवारों के लिए आसानी से उपलब्ध हेल्पलाइन और सहायता समूहों की स्थापना करनी चाहिए। मीडिया को आत्महत्या से संबंधित खबरों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करना चाहिए और आत्महत्या को ग्लैमर नहीं देना चाहिए। समाज के सभी वर्गों को आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें इस समस्या का समाधान करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यदि कोई भी युवा आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा हैए तो उसे किसी विश्वसनीय व्यक्ति से बात करनी चाहिए जैसे कि परिवार के सदस्य सेए दोस्त से या चिकित्सक से। युवाओं को आवश्यकता होने पर आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन का भी उपयोग करना चाहिए। मानसिक रूप से परेशान युवाओं को मदद मांगने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने आपको यह भरोसा देना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं, बल्कि कई लोग हैं जो उनकी परवाह करते हैं और उनकी मदद करना चाहते हैं। आत्महत्या जैसी घातक प्रवृत्ति से बचने के लिएए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बहुत जरूरी है। स्वस्थ जीवन शैली के अंतर्गतए पर्याप्त नींद लेंए स्वस्थ भोजन करेंए नियमित व्यायाम करें और तनाव को कम करने के लिए स्वस्थ मनोरंजन करें। इसके अलावा सदैव सकारात्मक सोचेंरू नकारात्मक विचारों को दूर भगाएं और सकारात्मक सोच को ही बढ़ावा दें। उन्हें ऐसे लोगों से मित्रता या निकटता रखनी चाहिए जो उन्हें सही सलाह दें और उनके मानसिक बल को बढ़ाएं। साथ ही उन्हें ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिएए जो उन्हें आत्महत्या जैसी गलत प्रवृत्ति की ओर प्रेरित करें। आत्महत्या जैसी घातक प्रवृत्ति को रोकने में योगा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। योगा का अभ्यास करके युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। इन सभी उपायों को अपनाने सेए मानसिक तनाव को दूर करने और आत्मघाती प्रवृत्तियों से बचाव करने में मदद मिल सकती है। मानसिक समस्याओं से जूझ रहे युवाओं के पारिवारिक माहौल को सुधारने का भी भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए। पढ़ाई के दबाव में होने वाली आत्महत्याओं को रोकने के लिएए शैक्षणिक सुधार की बेहद आवश्यकता है। दरअसल विद्यार्थियों के अधिकतम अंकों को देखकर उनकी योग्यता का अनुमान नहीं लगाया जा सकताए क्योंकि हर बच्चे या युवा के भीतर अलग.अलग क्षमताएं तथा अलग.अलग कौशल होते हैं। इसलिए युवाओं की क्षमताओं का पता लगाने की एक वैकल्पिक विधि विकसित की जानी चाहिएए ताकि उनकी रुचिए उनके कौशल और उनकी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें उनके अनुरूप कार्यों की जिम्मेदारी दी जा सके। इससे विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली आत्महत्या की घटनाओं में तो कमी आएगी हीए साथ ही हमारे देश और समाज की स्थिति में भी सुधार होगा। इसके अलावा हमारे देश में ऐसे सामाजिक परिवर्तन की भी आवश्यकता हैए जिसमें किसी भी व्यक्ति के साथ जातिगत आधार परए धर्म के आधार पर या लैंगिक आधार पर भेदभाव न किया जाए। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्तिए अंतर क्षेत्रीय सहयोग और सामाजिक व सामुदायिक भागीदारी की बहुत आवश्यकता हैए ताकि किसी भी व्यक्ति में मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों और ना ही उनमें आत्मघाती प्रवृत्तियां विकसित हो सकें। गैर.सरकारी संगठनों ;एनजीओद्ध और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने और पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। आत्महत्या के कारणों और इससे निपटने के सबसे प्रभावी तरीकों के बारे में अधिक अनुसंधान करने की भी आवश्यकता है। सरकार को इस दिशा में अधिक निवेश करना चाहिए और विश्वसनीय डेटा इकट्ठा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से आत्महत्या रोकथाम को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना चाहिए और इसके लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया जाना चाहिए। सरकार को इस समस्या से निपटने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय रणनीति विकसित करनी चाहिए और इसके कार्यान्वयन पर ध्यान देना चाहिए।

भारत में छायादार पेड़ों की चिंताजनक गिरावट

—देवेन्द्रराज सुथार

हाल ही में नेचर सस्टेनेबिलिटी जर्नल में प्रकाशित कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं के चौंकाने वाले निष्कर्षों ने भारत में छायादार पेड़ों की चिंताजनक गिरावट पर गहरा प्रकाश डाला है। पिछले पांच वर्षों में भारतीय खेतों से नीम, महुआ, जामुन और शीशम सहित लगभग 53 लाख छायादार पेड़ गायब हो गए। दरअसल, धान की पैदावार बढ़ाने के लिए किसान इन पेड़ों को बाधा मान रहे हैं और इसलिए इन्हें तेजी से साफ कर रहे हैं। उल्लेखनीय है कि शोधकर्ताओं ने भारतीय खेतों में मौजूद 60 करोड़ पेड़ों का मानचित्र तैयार किया है। इसके अनुसार भारत में जंगल और वृक्षारोपण के बीच अंतर बहुत साफ नहीं है, लेकिन इतना जरूर स्पष्ट है कि इस भूमि उपयोग में गत पांच वर्षों के दौरान मौजूद पेड़ों का एक बड़ा हिस्सा शामिल नहीं है, जो खेतों से लेकर शहरी क्षेत्रों में बिखरे थे। शोधकर्ताओं के अध्ययन के अनुसार, देश में प्रति हेक्टेयर पेड़ों की औसत संख्या 0.6 दर्ज की गई। इनका सबसे ज्यादा घनत्व उत्तर–पश्चिमी भारत में राजस्थान और दक्षिण–मध्य क्षेत्र में छत्तीसगढ़ में दर्ज किया गया है। यहां पेड़ों की मौजूदगी प्रति हेक्टेयर 22 तक दर्ज की गई। अध्ययन के दौरान इन पेड़ों की 10 वर्षों तक निगरानी की गई। मध्य भारत में विशेष तौर पर तेलंगाना और महाराष्ट्र में बड़े पैमाने पर इन विशाल पेड़ों को नुकसान पहुंचा है। 2010–11 में मैप किए गए करीब 11 फीसदी बड़े छायादार पेड़ 2018 तक गायब हो चुके थे। हालांकि इस दौरान कई हॉटस्पॉट ऐसे भी दर्ज किए गए, जहां खेतों में मौजूद आधे (50 फीसदी) पेड़ गायब हो चुके हैं।यह चिंताजनक है क्योंकि देश की 56 प्रतिशत भूमि कृषि के लिए है और केवल 20 प्रतिशत वन के रूप में वर्गीकृत है। कृषि क्षेत्रों में हरियाली बनाए रखने और यहां तक कि विस्तार करने की महत्वपूर्ण क्षमता है। हालांकि, छायादार पेड़ों को हटाकर इस क्षमता को व्यवस्थित रूप से कम किया जा रहा है, जो न केवल गर्मी से राहत देने के लिए बल्कि जैव विविधता को बनाए रखने और जलवायु को स्थिर करने के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। वनों की कटाई के परिणाम पहले से ही स्पष्ट हैं। शहरी क्षेत्र अपनी प्राकृतिक छटा से वंचित होकर भीषण गर्मी में झुलस रहे हैं। पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने, कृषि स्थिरता सुनिश्चित करने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के बावजूद छायादार पेड़ों को नष्ट करना मूर्खता ही है। वे पक्षियों, कीड़ों और अन्य वन्यजीवों की कई प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं। उनकी जड़ें मिट्टी के कटाव को रोकने, मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और जल संरक्षण में सहायता करती हैं। इन पेड़ों को काटकर हम न केवल तात्कालिक कृषि पर्यावरण को बाधित कर रहे हैं बल्कि भूमि की दीर्घकालिक स्थिरता को भी खतरे में डाल रहे हैं। वहीं अधिक बर्फ पिघलने से समुद्र के किनारे स्थित शहरों के डूब जाने का भय भी उत्पन्न हो गया। मानव प्रदूषण जनित गैसों से अधिक मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करने से बीमारियों का शिकार हो रहा है।पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह खेती के तौर तरीकों में बदलाव आ रहा है वह न केवल पर्यावरण बल्कि किसानों के लिए भी हितकारी नहीं है। ऐसे ही बदलावों में से एक है खेतों से नीम, अर्जुन और महुआ जैसे छायादार पेड़ों का गायब होना। ये पेड़ पर्यावरण के साथ–साथ खेतों के लिए भी बेहद महत्वपूर्ण हैं, फिर भी इनकी निगरानी पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा रहा। पेड़ों के साथ इनसे जुड़ी सांस्कृतिक परंपराएं भी गायब होती जा रही हैं। अब ना उनकी स्थापित परंपराओं के अनुसार पूजा होती है और ना ही सावन के झूले पड़ते हैं। इसके अलावा छायादार वृक्षों की अंधाधुंध कटाई कृषि पद्धतियों में अल्पकालिक सोच को भी दर्शाती है। हालांकि फसल उत्पादन में वृद्धि से तात्कालिक लाभ फायदेमंद लग सकता है, लेकिन दीर्घकालिक पर्यावरणीय लागत गंभीर है। मृदा क्षरण, जैव विविधता की हानि और जलवायु परिवर्तन की बढ़ती समस्या ऐसे कुछ गंभीर परिणाम हैं जिनका सामना आने वाली पीढ़ियों को करना पड़ेगा।

गुड बैड अगली फिल्म से अजित का पहला लुक आया सामने, माफिया डॉन की भूमिका में दिखे दिग्गज अभिनेता

दक्षिण भारतीय अभिनेता अजित कुमार की आगामी फिल्म ह्यगुड बैड अग्लीह्न के निर्माताओं ने फिल्म के पोस्टर के साथ एक बड़ी घोषणा की है। अभिनेता की फिल्म अगले साल पोंगल पर रिलीज होगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने के लंबे समय के बाद निर्माताओं द्वारा कोई आधिकारिक घोषणा की गई है। इस घोषणा से पहले ही प्रोडक्शन ने अजित के प्रशंसकों को सूचित कर दिया था कि फिल्म से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आएगी।

ह्यमाइथ्री प्रोडक्शंसह्न ने अपने सोशल मीडिया पर ह्यगुड बैड अग्लीह्न फिल्म से अभिनेता अजित का अनोखा लुक जारी किया है। पोस्टर में अजित के तीन लुक दिख रहे हैं। अजित के लुक को देखकर लग रहा है कि वह किसी माफिया का किरदार फिल्म में निभा रहे हैं। उनके सामने टेबल पर बहुत सारी बंदूकें रखी हैं। प्रशंसक अभिनेता के इस लुक को देखकर अंदाजा लगा रहे हैं कि यह एक अपराध कॉमेडी फिल्म हो सकती है।

फिल्म के पोस्टर को देखकर अटकलें लगाई जा रही हैं कि फिल्म ह्यगुड बैड अग्लीह्न में अजित कुमार ट्रिपल भूमिका में नजर आ सकते हैं। बता दें कि 2006 की ब्लॉकबस्टर ह्यवरलारुह्न के बाद यह अजित कुमार की दूसरी ट्रिपल भूमिका वाली फिल्म होगी।

गुड बैड अग्ली की बात करें तो निर्माताओं ने एक विश्वसनीय तकनीकी टीम के साथ इसपर काम किया है। संगीत ह्यरॉकस्टारह्न ने दिया है। अभिनंदन रामानुजम फोटोग्राफी निर्देशक के रूप में फिल्म से जुड़े हैं। ह्यपोंगलह्न को तमिलनाडु में फिल्म रिलीज के लिए सबसे अच्छा समय माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चर्चा है कि शंकर द्वारा निर्देशित कमल हासन अभिनीत फिल्म ह्यइंडियन 3ह्न भी पोंगल के आस–पास ही रिलीज हो सकती है। वहीं, राम चरण की ह्यगेम चेंजरह्न अगले साल जनवरी में रिलीज होने की उम्मीद है।

अभिनेता अजित के आगामी कार्यों की बात करें तो वह ह्यगुड बैड अग्लीह्न के साथ–साथ ह्यविदा मुयार्चीह्न पर भी काम कर रहे हैं।

सिंघम अगेन से अजय देवगन का शानदार फर्स्ट लुक आउट

अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म सिंघम अगेन को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं. इस फिल्म की शूटिंग जारी है और रोहित शेट्टी अपने कॉप यूनिवर्स को लेकर लगातार कोई न कोई अपडेट साझा करते रहते हैं. इसी बीच सिंघम अगेन से अजय देवगन का फर्स्ट लुक सामने आया है. जिसमें वह अपने पुराने बाजीराव सिंघम वाले अवतार में नजर आ रहे हैं.

रोहित शेट्टी की सिंघम अगेन इस साल की बहुचर्चित फिल्मों में से एक है. अजय देवगन के अलावा इस फिल्म में दीपिका पादुकोण, रणवीर सिंह, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ, करीना कपूर और अर्जुन कपूर मुख्य भूमिकाओं में शामिल हैं. अजय देवगन जल्दी–जल्दी इस फिल्म की शूटिंग पूरा करने में जुटे हुए हैं. अजय देवगन के लेटेस्ट पोस्ट की बात करें तो इसमें वह पुलिस की वर्दी में खड़े नजर आ रहे हैं. उनके चेहरे पर वही सिंघम वाला रुतबा दिख रहा है.

अजय देवगन के आस पास सेना के कुछ और जवान वाहनों पर तैनात हैं और उनके हाथ में बंदूके हैं. चारों ओर बर्फ से ढंके हुए पहाड़ नजर आ रहे हैं. इस पोस्ट को शेयर करते हुए रोहित शेट्टी ने लिखा है, बाजीराव सिंघम एसएसपी एसओजी स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप के साथ. जम्मू–कश्मीर पुलिसज्सिंघम अगेनज्जल्द आ रहा है. बता दें कि सिंघम अगेन की शूटिंग कई दिनों से जम्मू कश्मीर में चल रही है. पिछले दिनों भी एक तस्वीर सामने आई थी, जिसमें रोहित शेट्टी और अजय देवगन सेना के जवानों के साथ उनके बीच में बैठे नजर आए थे.

राजकुमार राव की श्रीकांत की दैनिक कमाई में मामूली बढ़त, 14वें दिन कमाए इतने करोड़ रुपये

शादी में जरूर आना, स्त्री और एक लडकी को देखा तो ऐसा लगा जैसी फिल्मों से प्रशंसकों के दिलों में खास जगह बनाने वाले राजकुमार राव आजकल फिल्म श्रीकांत को लेकर चर्चा में हैं।उनकी यह फिल्म 10 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और यह बॉक्स ऑफिस पर ठीक–ठाक कमाई कर रही है।फिल्म ने 30 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। अब रिलीज के 14वें दिन फिल्म की कमाई में मामूली बढ़त देखने को मिली। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, श्रीकांत ने अपनी रिलीज के 14वें दिन यानी गुरुवार को 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया,

संगकारा ने भी ठुकरा दिया भारतीय टीम के हेड कोच बनने का गोल्डन ऑफर

नई दिल्ली। श्रीलंका के पूर्व कप्तान और राजस्थान रॉयल्स के मौजूदा क्रिकेट निदेशक कुमार संगकारा ने भारतीय टीम के हेड कोच की रेस से खुद को बाहर कर लिया है। संगकारा भारतीय हेड कोच की रेस से बाहर होने वाले नए विदेशी क्रिकेटर बन गए हैं।कुमार संगकारा ने यह कहते हुए भारतीय हेड कोच पद को अपनाने से इनकार किया कि उनके पास समय नहीं हैं। बता दें कि बीसीसीआई इस समय भारतीय टीम के हेड कोच को ढूंढने में जुटा हुआ है। वेस्टइंडीज और अमेरिका की मेजबानी में होने वाले टी20 वर्ल्ड कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का बतौर भारतीय हेड कोच कार्यकाल समाप्त हो रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग व जस्टिन लैंगर, न्यूजीलैंड के स्टीफन फ्लेमिंग और जिंबाब्वे के पूर्व क्रिकेटर एंडी फ्लावर पहले ही इस भूमिका को अपनाने से किनारा कर चुके हैं। कुमार संगकारा ने राजस्थान रॉयल्स के दूसरे क्वालीफायर गंवाने के बाद प्रेस कांफ्रेंस में भारतीय हेड कोच के बारे में अपनी राय व्यक्त की।

कप्तानी में पैट कमिंस ने दिखाया है जौहर

नई दिल्ली। आईपीएल 2024 के फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स के सामने सनराइजर्स हैदराबाद की चुनौती है। क्वालीफायर–1 में केकेआर ने हैदराबाद को धूल चटाई थी। वहीं, हैदराबाद ने दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को हराकर फाइनल का टिकट हासिल किया है।केकेआर ने अपने अभियान की शुरुआत हैदराबाद, बेंगलुरु और दिल्ली के खिलाफ लगातार तीन जीत के साथ की

सुनील नारायण और फिल सॉल्ट ने टीम को तूफानी शुरुआत दिलाई थी। वहीं, गेंदबाजों ने भी मैच जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। अभी तक केकेआर संतुलित टीम दिखी है।

हैदराबाद ने बनाए हैं कई रिकॉर्ड

वहीं, पैट कमिंस की कप्तानी में रफ्तार ने इस सीजन धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने मुंबई इंडियंस के खिलाफ रिकॉर्ड 277 रन बनाए। फिर आरसीबी के खिलाफ अपने ही रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए 287 रन बना डाले। ट्रेविस हेड, अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन जैसे प्रमुख खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में दिखे हैं।

2024 फाइनल में देखने लायक प्रमुख खिलाड़ी

1. सुनील नारायण

सुनील नारायण केकेआर के लिए बल्ले और गेंद दोनों से अहम भूमिका निभा रहे हैं। ओपनिंग में उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी और किफायती स्पिन गेंदबाजी उन्हें केकेआर का प्रमुख खिलाड़ी बना दिया है। फाइनल में इनकी भूमिका अहम रहेगी।

2. वेंकटेश अय्यर

वेंकटेश अय्यर ने केकेआर के लिए कई अहम पारियां खेली हैं। क्वालीफायर–1 में हैदराबाद के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली थी। श्रेयस अय्यर के साथ मिलकर टीम को जीत दिलाई थी। फाइनल के दौरान इन पर बड़ी जिम्मेदारी होगी।

3. ट्रेविस हेड

ट्रेविस हेड इस सीजन के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। उनके बल्ले से 37 गेंद पर शतक भी निकल चुका है। सनराइजर्स हैदराबाद के लिए वह पांच अर्धशतक भी जड़ चुके हैं। क्वालीफायर–1 और क्वालीफायर–2 में उनका बल्ला खामोश रहा है। हालांकि, फाइनल में वह धमाल करना चाहेंगे।

4. अभिषेक शर्मा

युवा बल्लेबाज ने अपनी पावर हिटिंग से सभी को प्रभावित किया है। सनराइजर्स के लिए इस सीजन कई उपयोगी पारियां खे चुके हैं। केकेआर के खिलाफ क्वालीफायर–1 और राजस्थान के खिलाफ क्वालीफायर–2 में इनका बल्ला खामोश रहा था। हालांकि, गेंद से कमाल किया था। फाइनल में अभिषेक धमाका करना चाहेंगे।

5. पैट कमिंस

इस सीजन पैट कमिंस ने अपनी शानदार कप्तानी से सभी को हैरान कर दिया है। क्वालीफायर–2 में स्पिनर्स से गेंदबाजी कराकर सभी को दंग कर दिया था। अभी तक पूरे सीजन में कमिंस ने स्पिनर्स से कम ही गेंदबाजी कराई थी। फाइनल में एकबार फिर वह कुछ ऐसा ही करना चाहेंगे।

एक नजर

जीएमओयू की बस दुर्घटनाग्रस्त होने से बाल-बाल बची

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : नैनीडांडा धुमाकोट मार्ग पर शनिवार को बस दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। बस में चालक और परिचालक के साथ ही चार अन्य यात्री भी सवार थे। सभी यात्री सुरक्षित है। शनिवार सुबह करीब 11 बजे गढ़वाल मोटर यूजर्स की यात्री बस बमेड़ीसैंण से वापस रामनगर आते समय थाने के पास अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गई। पेड़ नहीं होता तो यह बस सीधे गहरी खाई में जा गिरती। बस के पेड़ से टकराने के बाद रुक जाने की वजह से चालक और परिचालक के साथ ही 4 सवारी भी सुरक्षित है और किसी को कोई चोट नहीं आई।

बादल फटने की घटनाओं पर दिया व्याख्यान

श्रीनगर गढ़वाल : गढ़वाल विश्वविद्यालय के भौतिकी विभाग में शनिवार को हिमालयी क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा और बादल फटने की घटनाओं पर शनिवार को विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। हिमालयन वातावरणीय और अंतरिक्ष भौतिकी शोध प्रयोगशाला एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन कॉउंसिल के द्वारा इसका आयोजन किया गया था।

यूनिवर्सिटी ऑफ द इंकार्नेट वर्ड अमेरिका के प्रोफेसर डॉ. विनय कुमार ने वायुमंडलीय बदलाव, जलवायु परिवर्तन और मानव गतिविधियों के प्रभाव का विश्लेषण किया। हिमालयी क्षेत्र विश्व के एक अनूठे क्षेत्रों में से एक है। जिसकी प्राकृतिक सौंदर्यता के साथ ही इसके मौसमी परिवर्तनों की अद्वितीयता भी है। इस क्षेत्र में अत्यधिक वर्षा और बादल फटने की घटनाएं एक महत्वपूर्ण अध्ययन क्षेत्र बन चुकी हैं। कहा कि हिमालय क्षेत्र की वायुमंडलीय प्रकृति उसके अत्यधिक वर्षा और बादल फटने की घटनाओं को प्रेरित करती है।

30 मई से शुरू होगा विकास मेला

श्रीनगर गढ़वाल : गुरु माणिक नाथ मेला विकास समिति डागर की ओर से दो दिवसीय चलो माणिकनाथ पर्यटन एवं विकास मेला 30 मई से शुरू होगा। गुरु माणिक नाथ मेला विकास समिति डागर के अध्यक्ष कमल सिंह नेगी ने बताया कि गुरु माणिकनाथ मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाए गए आटा, दूध, घी, गुड़ चीनी आदि के मिश्रण से एक रोट बनाया जाता है, जिसे गुरु रोट कहा जाता है। प्रसाद स्वरूप सभी श्रद्धालुओं में यह रोट वितरित किया जाता है। सामाजिक कार्यकर्ता लाखी राम फोदणी ने कहा कि गुरु माणिकनाथ सिद्धपीठ को मुख्य मोटर मार्ग से जोड़ा जाना चाहिए ताकि दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालु आसानी से सिद्धपीठ तक पहुंच सकें। उन्होंने क्षेत्र के विकास के लिए पर्यटन विभाग एवं आयुष विभाग से यहां संयुक्त रूप से कार्य करने की मांग की।

योगेश लिंगवाल हैड ब्वॉय तो गीतांजली नेगी बनी हैड गर्ल

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : सेंट थॉमस स्कूल में शनिवार को स्टूडेंट काउंसिल का गठन किया गया। जिसमें योगेश लिंगवाल को हैड ब्वॉय और गीतांजली नेगी को हैड गर्ल चुना गया। इसके साथ ही उत्कर्ष रावत व अवलीन कौर को अब्दुल कलाम हाउस, तनीशा धीमान व वैष्णवी रावत को महात्मा गांधी, अभय उनियाल व मयूरी राणा को मदर टैरेसा सदन की जिम्मेदारी दी गई।

शनिवार को स्कूल में आयोजित स्टूडेंट काउंसिल के तहत एआई तकनीक से निर्मित वोटिंग मशीन द्वारा चुनाव किया गया। स्टूडेंट काउंसिल में आयुष्मान को जूनियर हैड ब्वॉय व जयश्री कपिल को हैड गर्ल चुना गया। इसके साथ ही निखिल कुमार को स्पोर्ट्स कैप्टन, शिवांगी बिष्ट को क्लचलर कैप्टन, नवनीत पोखरियाल को जूनियर स्पोर्ट्स कैप्टन, आयत अंसारी को जूनियर क्लचलर कैप्टन चुना गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि एएसपी संचार अनूप काला, प्रबंधक फादर जीजो, सिस्टर प्रसादा, नरेंद्र, यशशवी शर्मा, वंश रावत आदि शामिल रहे।

विशेष लोक अदालत 29 जुलाई से

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : माननीय सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में 29 जुलाई से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है।प्रभारी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पौड़ी प्रतिक्षा केशरवानी ने बताया कि जिन व्यक्तियों के दीवानी मामले, पारिवारिक, श्रम सम्बन्धी, सर्विस मामले, मोटर एक्सीडेंट, चैक बाउंस, वाणिज्यिक मामले, उपभोक्ता वाद, किरायेदारी से सम्बन्धित व अपराधिक शमनीय प्रकृति के मामले सहित अन्य जो माननीय सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित हो वह अपने मामलों का निस्तारण करा सकते है।

बीमार कर रही गर्मी, अस्पताल में बढ़ने लगे मरीज

डायरिया, पेट दर्द व आंखों में एलर्जी की समस्या

कोटद्वार का बेस अस्पताल जहां इन दिनों मरीजों की संख्या में इजाफा होने लगा है

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में अस्पतालों में डायरिया, पेट दर्द व आंखों में एलर्जी के मरीज बढ़ने लगे है। राजकीय बेस चिकित्सालय कोटद्वार में प्रतिदिन कई मरीज उपचार के लिए पहुंचे रहे हैं। चिकित्सक भी मरीज व उनके तीमारदारों को धूप व लू से बचने की सलाह दे रहे हैं।कोटद्वार में गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले पांच-छह दिनों से तापमान 40 डिग्री सेंटीग्रेड के पार पहुंच रहा है। ऐसे में शरीर को झुलसाने वाली धूप व लू के थपेड़े आमजन की सेहत को बिगाड़ने लगे हैं। सुबह से अस्पताल में ओपीडी की पर्ची बनवाने वालों की लंबी-लंबी लाइनें नजर आ रही हैं। अस्पताल में अधिकांश मरीज उल्टी-दस्त, डायरिया व बुखार के पहुंच रहे हैं। यही नहीं, अस्पताल में आंखों की जांच करवाने वालों का भी तांता लगा हुआ है। चिकित्सकों का कहना है कि धूप का प्रभाव आंखों पर अधिक पड़ता है। जिससे आंखों में खुजली व जलन जैसी समस्या होती है। डायरिया व पेट दर्द से बचाव के लिए चिकित्सक लोगों को कड़ी धूप में बाहर न निकलने व बसी भोजन खाने से परहेज रखने की सलाह दे रहे हैं।

बच्चे भी हो रहे बीमार

गर्मी का प्रकोप बच्चों पर भी भारी पड़ रहा है। राजकीय बेस चिकित्सालय में अभिभावक अपने बच्चें को उपचार के लिए लेकर पहुंच रहे हैं। अधिकांश बच्चों में उल्टी, दस्त के साथ ही पेट दर्द की समस्या सामने आ रही है। चिकित्सकों की माने तो ऐसे मौसम में बच्चों को फास्ट फूड व बाहर के खाने से परहेज करना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

1. बाहर धूप से आकर तुरंत ठंडा पानी न पीएं
2. ताजा खाना खाएं व बासी खाने से परहेज करें
3. धूप में सिर को कपड़े से ढक कर ही बाहर निकलें
4. फास्ट फूड खाने से परहेज करें
5. अधिक से अधिक पानी पीएं
6. उल्टी–दस्त होने पर शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में लगातार ओआरएस अथवा इलेक्ट्राल का घोल पीएं।

युवक की मौत, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर सवाल

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : ग्राम देवलधर (नैनीडांडा) निवासी एक युवक की अचानक तबीयत खराब होने के बाद संदिग्ध परिस्थतियों में मौत हो गई। युवक कुछ दिन पूर्व ही पूजा में शामिल होने गांव आया हुआ था।

ग्राम देवलधर (नैनीडांडा) निवासी अमित सिंह (24) पुत्र गिरधर सिंह की अचानक तबियत खराब हो गई। ग्रामीण उसे स्वस्थ्य केन्द्र धुमाकोट तक ले गए। वहां पर कोई भी चिकित्सक न मिलने पर नैनीडांडा रैफर किया गया। नैनीडांडा में भी उचित इलाज न मिलने पर रामनगर के लिए रैफर कर दिया गया। यहां पर भी चिकित्सक द्वारा पैरालिसिस अटैक बताकर हल्द्वानी भेजा गया। अस्पताल ले जाने के दौरान अमित की रास्ते में ही मौत हो गई। पहाड़ में बदहाल स्वस्थ व्यवस्था पर भी ग्रामीणों ने सवाल खड़े किए हैं। यदि समय पर अमित को उपचार मिल जाता तो शायद उनकी मौत न होती।

प्राथमिक विद्यालय जलेथा के छात्र मंयक का नवोदय विद्यालय में चयन

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : जयहरीखाल के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जलेथा के छात्र मयंक कण्डारी का चयन कक्षा 6 हेतु राजीव गांधी नवोदय विद्यालय संतुधार के लिए हुआ है। साथ ही इसी साल देवकुमार का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय खैरासैंण के लिए हुआ है।शनिवार को विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपशिक्षा अधिकारी जयहरीखाल अमित कुमार चंद ने कहा कि विद्यालय बच्चों की शैक्षिक प्रगति के लिए बहुत मेहनत कर रहा है। ग्राम प्रधान जलेथा जितेंद्र नेगी ने भी बच्चो की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं विद्यालय के प्रधानाध्यापक मोहन गुसाईं, अध्यापक जसपाल असवाल ने बताया कि विद्यालय के छात्र विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन कर रहे हैं। गणित विजार्ड, अबेकस और अन्य प्रतियोगिताओं में विद्यालय के छात्र विकासखंड और जिला स्तर पर स्थान प्राप्त कर रहे हैं। विद्यालय में बच्चों को अतिरिक्त समय देकर इन प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कराई जाती है। बताया कि छात्र मयंक कण्डारी बहुत ही होनहार छात्र हैं। उसने गणित विजार्ड, अबेकस प्रतियोगिता और अन्य कई प्रतियोगिताओं में विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष प्रभा देवी, किरण बौंठियाल, सुनीता देवी, कमला देवी, विनीता देवी, वीरेंद्र प्रकाश, कुसुम देवी, लक्ष्मी देवी, रश्मि देवी और रीना देवी सहित अन्य अभिभावक मौजूद रहे।

धर्मप्रकाश बने द्वारीखाल ब्लॉक इकाई के अध्यक्ष

आयोजित बैठक में भाग लेते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : शैल शिल्पी विकास संगठन ने शनिवार को द्वारीखाल ब्लॉक इकाई का गठन किया गया है। इकाई में धर्मप्रकाश को अध्यक्ष चुना गया है। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन की मजबूती का संकल्प लिया।

शनिवार को ब्लाक इकाई की घोषणा करते हुए संगठन अध्यक्ष विकास आर्य ने बताया कि इकाई में अध्यक्ष के अलावा विजेंद्र प्रसाद रिंगोड़ी, वीरेंद्र सिंह व मणिलाल को संरक्षक, अनिल कुमार अमोला को उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश को सचिव, सुनील कुमार को कोषाध्यक्ष, संदीप कुमार व दिवाकर को प्रचार मंत्री, जयमल चंद्र को मीडिया प्रभारी और सोबन सिंह, नथीलाल व रमेश चंद्र को सलाहकार पद की जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान अनिल कुमार, वीर बहादुर राम, भगत दर्शन, प्रकाश चंद्र, किशोर लाल, रवि कुमार, संदीप कुमार को कार्यकारणी सदस्य बनाया गया है। बैठक में विकास कुमार आर्य ने लोगों को देश के संविधान निर्माता भारत रत्न बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के क्रांतिकारी जीवन दर्शन की जानकारी दी।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने मोहा दर्शकों का मन

राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में आयोजित किया गया कार्यक्रम

आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों को संबोधित करते वक्ता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : राजकीय इंटर कॉलेज कोटद्वार में शनिवार को बस्ता रहित दिवस मनाया गया। इस दौरान बच्चों के लिए विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में बच्चों की रंगारंग सांस्कृति प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

छात्रों की प्रतिभाओं को उजागर करने के लिए शिक्षा विभाग की ओर से प्रत्येक माह बस्ता दिवस का आयोजन किया जाता है। इसी के तहत शनिवार को विद्यालय में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य मुकेश रावत, कार्यक्रम संयोजक दीपक नौटियाल, मुख्य वक्ता मनमोहन चौहान व सहप्रभारी अंजना संतोषी के नेतृत्व में कार्यक्रम का संचालन कुलदीप मैंदोला ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ कक्षा छह के छात्र स्पर्श के संस्कृत मंत्रोच्चारण से हुआ। उसके बाद छात्र-छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार की सुन्दर प्रस्तुतियां दी गई। जिसमें समूह गायन कक्षा आठ की छात्राओं द्वारा समूह नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति दी गई। कई छात्रों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया गया। प्रधानाचार्य ने कहा कि छात्रों में विलक्षण प्रतिभाएं होती है, यह कार्यक्रम विलक्षण प्रतिभाओं का सुयोग्य स्थान है। इससे ही छात्रों को किसी भी प्रतिभा के लिए पहचाना जाता है। मुख्य वक्ता मनमोहन चौहान ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर जयकृत नेगी, संजय रावत, सुधा बड़थ्वाल, सतपाल चौहान, भगवान सिंह नेगी आदि मौजूद रहे।

अभाविप ने चलाया सदस्यता अभियान

विद्यालय में सदस्यता अभियान चलाते अभाविप के सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में सदस्यता अभियान चलाया गया। इस दौरान सदस्यों ने संगठन की मजबूती का भी संकल्प लिया।

संगठन की ओर से महर्षि विद्या मंदिर स्कूल, बाल भारती स्कूल, बाल विद्या निकेतन, जनता इंटर कॉलेज मोटाढाक सहित अन्य विद्यालयों में अभियान चलाया गया। अभाविप कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने विद्यार्थियों को संगठन के बारे में जानकारी दी। कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिक्षा व विद्यार्थियों के हित में कार्य करता है। साथ ही विद्यार्थियों को स्वामी विवेकानंद के जीवन के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। कहा कि संगठन ज्ञान, शील एकता के मूल मंत्र के साथ राष्ट्र के पुनर्निर्माण में अपना योगदान दे रहा है। इस मौके पर जिला संगठन मंत्री मृदुल भट्ट, आयुष त्रिपाठी, विकास कुमार, अनिकेत दुगलचा, अक्षित केष्टवाल आदि मैजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को बेटी बचाओ को लेकर दिलाई ई-शपथ

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : जिलाधिकारी डॉ. आशीष चौहान के निर्देशन पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जी.बी.पंत इंजीनियरिंग कॉलेज घुडदौड़ी में छात्र-छात्राओं को बेटी बचाओ को लेकर ई-शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम समन्वयक पीसीपीएनडीटी आशीष रावत ने छात्र-छात्राओं को पीसीपीएनडीटी अधिनियम 1994 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में पौड़ी जनपद पहला जनपद है, जिसमें लिंगानुपात में सुधार हेतु जनजागरुता के साथ ही बेटी बचाओं को लेकर ई-शपथ की जा रही है।

कहा कि जनपद के सभी उच्च शिक्षण संस्थानों में भी आमजन को कन्या भ्रूण हत्या के विरुद्ध संकल्प हेतु ई-शपथ कराई जाएगी। कहा कि जनपद में तीन माह के अंतर्गत 1400 से अधिक लोगों द्वारा जनपद में ई-शपथ ली गयी है। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्साधिकारी कोट डॉ. अमित मेहरा, असिस्टेंट प्रो. मीनाक्षी कठायत, डॉ. गरिमा सिंह, रुचि तैलवाल, जिला सलाहकार एनसीडी श्वेता गुंसाई व कॉलेज के छात्र-छात्राए उपस्थित थे।

ऑनलाइन वेबिनार 30 मई को

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के मानसिक स्वास्थ्य कल्याण हेतु शनिवार को एक कमेटी का गठन किया गया। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रोफेसर महावीर सिंह नेगी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में विश्वविद्यालय स्तर छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य को लेकर 30 मई को ऑनलाइन वेबिनार आयोजित करने का निर्णय लिया गया। ऑनलाइन वेबिनार में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के संयुक्त सचिव डॉ. जितेंद्र त्रिपाठी मौजूद रहेंगे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका नाम भूलवश अरमान अंकित हो गया है, जबकि मेरे पुत्र का सही व वास्तविक नाम विवांश पुत्र विनय कुमार है। अतः मेरे पुत्र के जन्म प्रमाण पत्र में उसका सही व वास्तविक नाम विवांश पुत्र विनय कुमार एवं माता का नाम रीना देवी अंकित कर जन्म प्रमाण पत्र निर्गत किया जाय।

रीना देवी पत्नी विनय कुमार निवासी लोकमणिपुर वार्ड नंबर 36, तहसील कोटद्वार, जिला पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।

(0176/21)

मेधावी छात्र-छात्राओं सहित अभिभावकों का किया सम्मान

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : परिषदीय परीक्षा एवं गृह परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को विद्यालय में आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। गत वर्ष के बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं की माताओं को कमला नेहरू पुरुस्कार से भी सम्मानित किया गया।

विकासखंड कल्जीखाल के राजकीय इंटर कालेज पुरियाडांग में 2023-24 के परिषदीय एवं गृह परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कक्षा 6 से लेकर कक्षा 12वीं तक के सभी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं एवं उनके माता-पिता को विद्यालय परिवार ने सम्मानित किया। इस मौके पर नवीन सत्र में 11वीं प्रवेश लेने वाले में कल्जीखाल विकासखंड में दसवीं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाला शुभम रावत को भी सम्मानित किया गया। शुभम ने कन्या विद्यालय घंडियाल में दसवीं में 92 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ब्लॉक में टॉप किया। इसी प्रकार कक्षा 11वीं में राउमा डांगी से शिवानी लिंगवाल को दसवीं में 378 अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पीएलवी जगमोहन डांगी ने छात्र-छात्राओं को विधिक साक्षरता की जानकारी भी दी। उन्होंने साईबर अपराध, इंटरनेट पर हो रही ठगी, नशाली दवाओं का सेवन से होने वाले दुष्प्रभाव, शिक्षा का अधिकार, बाल शोषण, बाल विवाह अधिनियम के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस मौके पर विद्यालय प्रधानाचार्य मनोज कुमार घुनियाल, मुख्यअतिथि विद्यालय संरक्षक पूर्व प्रमुख सुरेंद्र सिंह नेगी, विशिष्ट अतिथि पराविधिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीण पत्रकार जगमोहन डांगी, एसएमसी अध्यक्ष जसवीर सिंह रावत, सामाजिक कार्यकर्ता आरपी नैथानी, पूर्व सैनिक संगठन के अध्यक्ष राकेश रावत, पूर्व प्रधान गिरीश सिंह, मीनाक्षी रावत, अर्चना पंवार, मनोज नैथानी, पूर्व पीटीआई सीएल चौधरी आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन राकेश भारती ने किया।

एक नजर

विधायक ने किया जवाड़ी-रौठिया मोटर मार्ग का निरीक्षण

रुद्रप्रयाग : भरदार क्षेत्र के जवाड़ी-रौठिया-घेंघडखाल मोटरमार्ग पर चल रहे डामरीकरण कार्य का रुद्रप्रयाग विधायक भरत सिंह चौधरी ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारी और ठेकेदार को गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा करने निर्देश दिए। ताकि जनता को जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सके। वन टाइम मैन्टेनेंस, राज्य योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना में जनपद में 25 से अधिक सड़कों पर डामरीकरण के कार्य चल रहा है। विधायक भरत सिंह चौधरी ने वन टाइम मैन्टेनेंस में 3 करोड़ की लागत से स्वीकृत जवाड़ी रौठिया घेंघडखाल मोटरमार्ग के डामरीकरण कार्य का निरीक्षण किया। कहा कि सरकार सड़कों के डामरीकरण के लिए जो बजट उपलब्ध करा रही है, उसका सही तरीके से धरातल पर कार्य होना चाहिए। उन्होंने बताया कि विस क्षेत्र रुद्रप्रयाग में 100 करोड़ से अधिक धनराशि की सड़कों के डामरीकरण स्वीकृत है। क्षेत्र की जनता को आवागमन की बेहतर सुविधाएं मिले, इसके लिए प्रयारसत है। विस क्षेत्र के छूटी सड़कों के लिए डामरीकरण के लिए जल्द बजट स्वीकृत कराया जाएगा। जिससे जनता को यातायात का लाभ मिल सके। (एजेंसी)

यात्रियों को घनसाली में ठहराने की मांग को लेकर सीएम को भेजा ज्ञापन

नई टिहरी : उद्योग व्यापार मंडल घनसाली ने घनसाली बाजार में यात्रियों को ठहराने को लेकर शनिवार को एसडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा में यात्रियों की भारी संख्या को देखते हुए सरकार द्वारा यात्रियों को ऋषिकेश और हरिद्वार में रोका जा रहा है। जहां पर भारी गर्मी व महंगे होटलों के कारण उन्हें परेशानी उठानी पड़ रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री से यात्रियों को ऋषिकेश-हरिद्वार के बजाय घनसाली व अन्य कस्बों में ठहराने के आदेश जारी करने की मांग की। ताकि क्षेत्र के होटल व होमस्टे मालिकों को लाभ के साथ ही यात्रियों को सुविधा मिल सके। ज्ञापन देने वालों में व्यापार मंडल अध्यक्ष डॉ. नरेंद्र डंगवाल, कैलाश बडोनी, ओमप्रकाश भुजवाण, कमल सिंह सजवाण आदि शामिल रहे। (एजेंसी)

विधायक ने दिए सड़क निर्माण के निर्देश

नई टिहरी : घनसाली विधायक शक्ति लाल शाह ने शनिवार को 2.50 किमी. लंबे सेमल्थ-तोणखंड मिसिंग लिंक मोटर मार्ग के निर्माण के लिए लोनिवि घनसाली के अधिशासी अभियंता को कार्रवाई के निर्देश दिए। कहा कि दोनों गांव के लोग लंबे समय से उक्त मोटर मार्ग के निर्माण की मांग करते आ रहे हैं। कहा कि जखन्याली-ढाबसौड़-सेमल्थ मोटर मार्ग से मुयालगांव-तोणखंड मोटर मार्ग के तोणखंड तक ढाई किमी. मिसिंग लिंक मोटर मार्ग हेतु स्थल पर जाकर अलाइनमेंट की कार्यवाही करें। साथ ही इसका प्रारंभिक आगणन तैयार कर सरकार को भेजें। इस मोटर मार्ग के बनने से कई गांव के लोगों को फायदा मिलेगा। (एजेंसी)

तीन पेटी शराब के साथ दो गिरफ्तार, वाहन किया सीज

चमोली : थाना पुलिस ने कर्णप्रयाग में दो लोगों से तीन पेटी अवैध अंग्रेजी शराब पकड़ी है। आरोपी वाहन में शराब ले जा रहे थे। पुलिस ने वाहन को भी सीज कर दिया है। थाने से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार को कोतवाली कर्णप्रयाग पुलिस द्वारा मुखबिर की सूचना पर चैकिंग के दौरान पंचपुलिया के पास से एक गाड़ी में आरोपी लीलाधर ग्राम कुमखोरी आदिबदरी व वाहन चालक पंचम सिंह ग्राम सुगढ़ आदिबदरी को तीन पेटी अवैध अंग्रेजी शराब व दो पेटी बियर परिवहन करते हुए पकड़ा। जिसके आधार पर कोतवाली कर्णप्रयाग परआबकारी अधिनियम में मुकदमा पंजीकृत किया गया। (एजेंसी)

पुलिस ने दो स्वर्ण पदक जीते

चमोली : 20 वीं प्रादेशिक अंतर्जनपदीय वाहिनी राईफल, रिवाल्वर एवं पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में जनपद चमोली के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने दमखम का परिचय दिया। पौडी में 22 मई से 25 तक श्रीनगर में आयोजित प्रादेशिक अन्तर्जनपदीय शूटिंग प्रतियोगिता में चमोली पुलिस की महिला आरक्षी अमिता कोहली ने 200 गज और 300 गज स्नैप मे चमोली जिले की महिला आरक्षी रोशनी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। इस शानदार सफलता के बाद शनिवार को जिले में लौटने पर पुलिस अधीक्षक सर्वेश पंवार ने दोनों महिला आरक्षियों को उनकी सफलता पर बधाई देकर हौसला अफजाई की। (एजेंसी)

खैरालिंग कैथिग क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू, विधायक राजकुमार पोरी ने किया उद्घाटन

लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल की स्मृति में हो रही प्रतियोगिताएं, उद्घाटन मैच में सकनोली ने हुचुई को हराया

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ी : खैरालिंग महादेव मेला मंदिर समिति द्वारा आयोजित क्रिकेट एवं वालीबॉल प्रतियोगिता शुरू हो गई है। शनिवार को विधायक राजकुमार पोरी ने खैरालिंग महादेव मेला मंदिर समिति एवं लोकतंत्र सेनानी नरेंद्र उनियाल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित क्रिकेट एवं वालीवाल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। विधायक ने खिलाड़ियों को खेल भावना से प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाने पर जोर दिया। विधायक ने मेला परिसर में यात्री शेड व अन्य निर्माण कार्य के लिए 10 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता को मेला परिसर गेट, थैरखाली से मंदिर तक डामरीकरण के लिए यथाशीघ्र आंगणन कर तैयार करने

के आदेश दिए। शनिवार को ग्राम सभा सांगुड़ा के खेल मैदान पवेथा में क्षेत्रीय विधायक राजकुमार पोरी द्वारा खेल प्रतियोगिताओं का विधिवत शुभारंभ किया गया। क्षेत्रीय विधायक ने अपने संबोधन में कहा कि इस तरह के आयोजन से ग्रामीण प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभाग करने का मौका मिलता है। खेल प्रतियोगिता में ग्राम स्तर की टीमें ही प्रतिभाग कर रही हैं। विधायक ने खेल मैदान के विस्तार के लिए हर संभव आर्थिक सहयोग का आश्वासन दिया। उद्घाटन मैच में सकनोली ने हुचुई को हराया। लीग आधार पर आयोजित हो रही क्रिकेट खेल प्रतियोगिता में अभी तक 16 ग्राम सभाओं ने एंट्री की है। इस दौरान मंदिर के पदाधिकारियों ने बताया कि खैरालिंग मेले के तहत ये प्रतियोगिताएं की जा रही हैं। 6 और 7 जून को मेला आयोजित किया जाएगा। मंदिर समिति के अध्यक्ष अनिल नेगी और सचिव विवेक नेगी ने बताया कि इस बार दो दिवसीय मेले के पहले दिन जात को नवयुवक मंगल दल थैर, मिरचोड़ा व पवसोला गांव से ध्वजाएं चढ़ाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि क्रिकेट व वॉलीबाल की प्रतियोगिता में ग्राम स्तर की टीमें ही प्रतिभाग कर रही है। दो दिवसीय मेले में 7 जून को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य संजय डबराल, कल्जीखाल भाजपा अध्यक्ष अनिल नेगी, कनिष्ठ प्रमुख अर्जुन पटवाल, सामाजिक कार्यकर्ता त्रिभुवन उनियाल, भारत भूषण नेगी, विवेक नेगी, विनय कुखशाल, कुलदीप मंजेडा, रोशन लाल, खैरालिंग के मुख्य पुजारी विनोद भारद्वाज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डेमस्क रोज की खेती किसानों के जीवन में ला रही खुशहाली

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : सीमांत जनपद चमोली में डेमस्क रोज की खेती किसानों की आजीविका का अच्छा साधन बन रही है। डेमस्क रोज से तैयार गुलाब जल और तेल के विपणन से किसान को फायदा मिलने लगा है।

मनरेगा के तहत जोशीमठ ब्लाक के ग्राम पंचायत द्वींगतपोण में 35 परिवारों को डेमस्क रोज उत्पादन से जोड़ा गया था। इस सीजन में यहां किसानों ने डेमस्क रोज से 400 लीटर से अधिक गुलाब जल और तेल तैयार कर अच्छी आय अर्जित की है। किसानों द्वारा चारधाम यात्रा मार्ग सहित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गुलाब जल का विपणन किया जा रहा है। गुलाब जल हाथों हाथ बिक रहा है और इससे अच्छी आय मिलने से काश्तकार बेहद खुश है। काश्तकारों ने बताया कि परम्परागत खेती के साथ उन्होंने डेमस्क गुलाब की खेती को भी अपनाया है। गुलाब की खेती को जंगली जानवरों से भी कोई खतरा नहीं रहता है। इसके अलावा असिंचित बंजर भूमि पर भी आसानी से गुलाब की खेती करने से उनको काफी फायदा मिल रहा है। जिला विकास अधिकारी ने बताया कि जनपद में मनरेगा के तहत स्वयं सहायता समूहों को पुष्प वाटिका बनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है।

श्रीदेव सुमन ने समाज को नई दिशा दिखाई : जोशी

नई टिहरी : टिहरी जनक्रांति के नायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन की जयंती शनिवार को जिलेभर में धूमधाम से मनाई गई। टिहरी रियासत और स्वाधीनता आंदोलन में उनके योगदान को याद करते हुए वक्ताओं ने कहा कि छोटी से उम्र में सुमन ने समाज के लिए नई दिशा दिखाने का कार्य किया। उनके विचार और बलिदान युगों तक याद रखे जाएंगे। नई टिहरी सहित उनके पैतृक जौल गांव में सुमन के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। शनिवार को श्रीदेव सुमन विवि और श्रीदेव सुमन ग्राम विकास समिति जौल की ओर से आयोजित संयुक्त कार्यक्रम में श्रीदेव सुमन की 108वीं जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी और ग्रामीणों ने उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया। मुख्य वक्ता डॉ. एमआर सकलानी ने श्रीदेव सुमन के प्रारंभिक जीवन से लेकर उनकी शहादत तक का वर्णन प्रस्तुत किया। वहीं कुलपति प्रो. जोशी ने कहा कि उत्तराखंड वीरों की भूमि है। सीमांत राज्य होने के कारण उत्तराखंड के प्रत्येक नागरिक की देश के प्रति बड़ी जिम्मेदारी रही है। जिसे इस पर्वतीय प्रदेश के नागरिकों द्वारा न केवल बहादुरी बल्कि पूरी जिम्मेदारी से निभाया है। उन्होंने ग्रामीणों को विवि के निर्माण कार्यों की जानकारी दी। कहा कि गांव के होनहार छात्रों को व्यावसायिक शिक्षा के लिए अब दूर जाने की जरूरत नहीं है। विवि ने बादशाहीथौल मुख्यालय में रोजगारपरक पाठ्यक्रम संचालित कर दिए हैं। आश्वासन दिया कि विवि जल्द ही ग्रामीण महिलाओं के लिए शॉर्ट टर्म रोजगारपरक व्यावसायिक पाठ्यक्रम संचालित करेगा। इससे मातृशाक्ति आत्मनिर्भर बनेंगी। इस मौके पर कुलसचिव खेमराज भट्ट, निजी सचिव कुलपति वरूण डोभाल, विनोद बडोनी, अनिल बड़ोनी, पर्यावरणविद विजय जड़धारी, शक्ति प्रसाद जोशी, कवि सोमवारी लाल सकलानी, दिनेश सकलानी, विनोद पांडेय मौजूद रहे।

भक्तों ने विश्वनाथ मां जगदीशिला डोली का लिया आशीर्वाद

श्रीनगर गढ़वाल : 25वीं बाबा विश्वनाथ मां जगदीशिला डोली रथयात्रा के श्रीनगर आगमन पर शनिवार को श्रद्धालुओं और भक्तों ने दर्शन कर आशीर्वाद लिया। डोली रथयात्रा जैसे ही श्रीनगर के विश्वविद्यालय गेट पर पहुंची। भक्तों और श्रद्धालुओं ने डोली का ढोल नगाड़ों व जयकारों के साथ कमलेश्वर मन्दिर तक भव्य स्वागत किया।

डोली रथयात्रा संयोजक पूर्व कैबिनेट मंत्री मंत्री प्रसाद नैथानी ने कहा कि यह डोली यात्रा का रजत जयंती वर्ष है। कहा कि बिशोन पर्वत से शुरु हुई यह डोली यात्रा पूरे उत्तराखंड के 13 जनपदों के देवालयों का भ्रमण करते हुए हजार धाम चिन्हित कर देश व प्रदेश में सुख, शान्ति और समृद्धि की कामना करती है। कमलेश्वर महादेव मंदिर में रात्रि विश्राम के बाद डोली लोस्तु बडियारगढ़ के लिए रवाना होगी। (एजेंसी)

स्कूल-कॉलेजों के 100 गज के दायरे में तंबाकू व अन्य नशीले पदार्थों की न हो बिक्री

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जनपद के सार्वजनिक, धार्मिक एवं स्कूल-कॉलेजों के 100 गज के दायरे में तंबाकू का सेवन न हो इसको नियंत्रण एवं अंकुश लगाने के लिए अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा की अध्यक्षता में जिला कार्यालय कक्ष में तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग, पुलिस, शिक्षा नगर पालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि तंबाकू को नियंत्रित करने के लिए सभी को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए हैं कि स्कूल-कॉलेजों के 100 गज के दायरे में तंबाकू की बिक्री न हो इस परिधि में संचालित हो रही दुकानों को दो दिन के भीतर चिन्हित कर उन्हें 100 गज के दायरे से हटवाने के लिए नोटिस निर्गत करें। इसकी सूचना से जिला कार्यालय को दें। उन्होंने कहा कि

स्कूल-कॉलेजों में तंबाकू का सेवन न हो इसके लिए सभी स्कूलों में समिति गठित करें। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि यदि किसी व्यक्ति द्वारा नियमों का पालन नहीं किया जाता है तो कोटपा अधिनियम 2003 की धारा के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने पुलिस एवं नगर पालिका को भी निर्देश दिए हैं कि सार्वजनिक एवं धार्मिक स्थलों पर तंबाकू का सेवन करने वालों पर नियमानुसार कार्यवाही करते हुए ऐसे करने वालों पर चालान की कार्यवाही भी सुनिश्चित की जाए। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. विमल सिंह गुसांई ने बताया कि तंबाकू पर नियंत्रण करने के लिए विभाग द्वारा समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं तथा सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान निषेध है जिसके लिए 200 रुपए दंड का भी प्राविधान है। उन्होंने कहा कि सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादन का विज्ञापन करने पर निषेध है। ऐसा करने पर प्रथम बार 1000 रुपए या दो वर्ष का कारावास या दोनों हो सकते हैं। पुनः विज्ञापन प्रकाशित करने पर 5000 तथा 5 वर्ष का कारावास का प्राविधान है। पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल ने जानकारी देते हुए कहा कि पुलिस द्वारा धार्मिक स्थलों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तंबाकू का सेवन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। जिसमें केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में तंबाकू का सेवन करने वाले 60 व्यक्तियों का चालान किया गया है। माह जनवरी से अब तक पुलिस द्वारा 221 लोगों के चालान किए जा चुके हैं। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारी नगर पालिका सुशील कुमार कुरील, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डीसी बिष्ट, हिमांशु नौडियाल आदि मौजूद रहे।

तीर्थ यात्रियों एवं वाहनों के संबंध में पूर्ण विवरण रखें : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों के लिए जिला प्रशासन की ओर से अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में बनाए गए पंडाल में रहने की व्यवस्था का जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने जायजा लिया। उन्होंने आने वाले तीर्थ यात्रियों एवं वाहनों के संबंध में भी पूर्ण विवरण रखने के निर्देश दिए। साथ ही प्रतिदिन आने वाले तीर्थ यात्रियों एवं वाहनों की जानकारी मैंटेन करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे भी मौजूद रही

श्री केदारनाथ धाम में दर्शन करने पहुंच रहे तीर्थ यात्रियों की संख्या में निरंतर बढोतरी हो रही है जिस कारण केदारनाथ यात्रा के प्रमुख पड़ाव फाटा, सीतापुर, सोनप्रयाग आदि स्थानों में पार्किंग फुल होने के कारण यात्रियों की सुरक्षा एवं सुव्यवस्थित यात्रा संचालित

करने के लिए केदारनाथ जाने वाले तीर्थ यात्रियों को अगस्त्यमुनि में ही रोका जा रहा है, जिसके लिए यात्रियों के लिए की रहने की समुचित व्यवस्था का जिलाधिकारी ने आज निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर उन्होंने उप जिलाधिकारी एवं नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि प्रमुख पड़ावों में पार्किंग स्थल फुल होने पर यात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए उन्हें अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में ही रोका जाए तथा उन्हें सभी रहने की उचित प्रबंधन किया जाए। उन्होंने यात्रियों के लिए बनाए गए पंडाल का जायजा लेते हुए यात्रियों की रहने की समुचित व्यवस्था, गरमी के दृष्टिगत पंडाल में समुचित कूलर फैन की समुचित व्यवस्था एवं विद्युत व्यवस्था भी ठीक प्रकार करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही यात्रियों के मोबाइल चार्ज हेतु पर्याप्त मात्रा में चार्जिंग प्वाइंट लगाए जाएं जिससे कि तीर्थ यात्री अपने मोबाइल फोन को भी ठीक ढंग से चार्ज कर सकें, जिससे कि वे अपने परिजनों से संपर्क कर सकें। इसके साथ ही उन्होंने यात्रियों को समुचित स्वास्थ्य सुविधा भी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डॉ. विशाखा अशोक भदाणे, मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी आशीष चंद्र घिल्डियाल, पुलिस उपाधीक्षक प्रबोध कुमार घिल्डियाल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

खाद्य कारोबारी रेट लिस्ट चस्पा करें

जयन्त प्रतिनिधि।रूद्रप्रयाग : गौरीकुंड से श्री केदारनाथ पैदल यात्रा मार्ग पर अभिहीत अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा खाद्य प्रतिष्ठानों, ढाबों, होटलों एवं चाय की दुकानों का निरीक्षण किया गया। खाद्य प्रतिष्ठानों में बिक रहे भोजन, जलपान, चाय, मैगी सहित अन्य खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता तथा एक्सपायरी की जांच की गई। इस दौरान 5 प्रतिष्ठानों से लूज आटा, लूज धनिया पाउडर, लूज हल्दी पाउडर, कोल्ड ड्रिंग्स तथा पके खाद्य पदार्थ चावल के नमूने लेकर अधिकृत प्रयोगशाला को जांच के लिए भेजे गये हैं।

अभिहीत अधिकारी मनोज कुमार सेमवाल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान खाद्य कारोबारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे स्वच्छता, गुणवत्ता एवं अवसान तिथि का ध्यान रखने के साथ-साथ बेची जाने वाली वस्तुओं के रेटलिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा करें।

उन्होंने बताया कि निरीक्षण के दौरान लगभग आधा दर्जन खाद्य कारोबारियों से मौके पर ही रेटलिस्ट चस्पा कराए गए। कुछ खाद्य कारोबारियों द्वारा मूल्यों में वृद्धि सम्बन्धी भावनात्मक स्लोगन भी रेटलिस्ट के साथ में चस्पा पाए गए। उन्होंने बताया कि खाद्य कारोबारियों को चेतावनी दी गई है कि वे स्वच्छता, गुणवत्ता एवं उचित रेट के साथ ही क्रय-विक्रय करना सुनिश्चित करें। इस दौरान उनके साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी पवन कुमार भी मौजूद रहे।

प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल की दी जानकारी

नई टिहरी : जीआईसी रजाखेत में अगरोड़ा महाविद्यालय के प्राध्यापकों ने इंटरमीडियट के उर्त्तीण छात्रों को समर्थ पोर्टल ऑनलाइन पंजीकरण प्रवेश की जानकारी दी। कहा कि प्रवेश के लिए समर्थ पोर्टल में अवश्य पंजीकरण कराएं। तकनीकी समस्या के समाधान के लिए परामर्श ले सकते हैं। राजकीय महाविद्यालय अगरोड़ा के प्राध्याक डा. प्रमोद सिंह और डा. भरत गिरी गुसांई ने जीआईसी रजाखेत के इंटरमीडियट में पास हुए छात्रों का मार्ग दर्शन करते हुए उन्हें समर्थ पोर्टल से उच्च कक्षाओं में प्रवेश की जानकारी दी। छात्रों के सवालों का जबाब देते हुए उनके शंकाओं का समाधान भी किया। इस दौरान डॉ. प्रमोद सिंह ने बताया कि उच्च शिक्षा निदेशालय उत्तराखंड ने राजकीय महाविद्यालयों में प्रवेश की अंतिम तिथि 31 मई 2024 तथा प्रवेश के लिए काउंसलिंग की तिथि 1 से 20 जून 2024 रखी है। डॉ. भरत गिरी गुसांई ने विद्यार्थीयों को प्रवेश पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया। उन्होंने प्रवेश पंजीकरण के लिए आवश्यक दस्तावेज जैसे हाई स्कूल तथा इंटरमीडिएट के अंक तालिका तथा प्रमाण पत्र, टीसी तथा सीसी, स्थाई निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पासपोर्ट साइज फोटो, ईमेल आईडी तथा पंजीकरण शुल्क के बारे में अवगत कराया।

रुद्रप्रयाग में 35 डिग्री पहुंचा तापमान

रुद्रप्रयाग : बीते दो दिनों से जनपद में गर्मी बढ़ गई है। शनिवार को मुख्यालय में तापमान में काफी इजाफा देखा गया। दोपहर में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि बीते दिनों तक 30 डिग्री तापमान रिकार्ड किया गया। शनिवार को मुख्यालय सहित जनपद के अनेक स्थानों पर उमस वाली गर्मी हुई। हालांकि आसमान में बादल भी लगे रहे किंतु गर्मी से लोग परेशान हुए। वन विभाग के कंट्रोल रूम के अनुसार शनिवार को तापमान 35 डिग्री रिकार्ड किया गया। इधर, दोपहर बाद आसमान में बादल छाए गए जिससे लोगों को बारिश की उम्मीद बंधी रही। (एजेंसी)

पार्किंग संचालक पर लगाया 50 हजार का जुर्माना

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : श्री केदारनाथ धाम यात्रा मार्ग पर स्वच्छता व्यवस्था को लेकर जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। यात्रा के लिहाज से सीतापुर पार्किंग एक महत्वपूर्ण स्थल है जहां रोजाना सैकड़ो छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही रहती है। कुछ समय से पार्किंग के सीवेज सिस्टम में समस्या के चलते लीकेज एवं जल भराव हो रहा था। पार्किंग संचालक द्वारा नियमित साफ-सफाई एवं मेंटेनेंस न किए जाने पर 50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।

जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि श्री केदारनाथ धाम यात्रा वर्ष-2024 के सफल संचालन तथा पैदल यात्रा मार्ग पर स्वच्छता व्यवस्था बनाये जाने के दृष्टिगत शनिवार को स्थान सीतापुर पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पार्किंग में अत्यधिक मात्रा में

गंदगी, कचरा, पानी, सीवेज इत्यादि पाया गया। इससे पूर्व भी सीतापुर पार्किंग के संचालकों कार्मिकों को स्वच्छता व्यवस्था दुरुस्त रखे जाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद उक्त प्रकरण पर कोई संज्ञान नहीं लिया गया। पार्किंग स्थल पर काफी गंदगी एवं सीवरेज पानी के कारण जलभराव की स्थिति से वातावरण दूषित हो रहा था, जिसके दृष्टिगत पार्किंग संचालक पर सख्त कार्रवाई करते हुए 50 हजार का जुर्माना लगाते हुए सीतापुर पार्किंग के संचालकों को निर्देशित किया गया कि पार्किंग स्थल की समुचित सफाई व्यवस्था के दृष्टिगत कार्मिकों की संख्या में वृद्धि करना सुनिश्चित करें। साथ ही संबंधित को चेतावनी देते हुए स्वच्छता के दृष्टिगत कोताही न बरतें।

29 जुलाई से लगेगी विशेष लोक अदालत

चमोली : सर्वोच्च न्यायालय में आगामी 29 जुलाई से 03 अगस्त 2024 तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिसमें लंबित वादों का मौके पर ही निस्तारण किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए सिविल जज (सी.डि.)/जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव पुनीत कुमार ने सर्वोच्च न्यायालय में आयोजित होने वाले विशेष लोक अदालत का व्यापक प्रचार प्रसार करने के निर्देश दिए है।

पुलिस ने महिला व साइबर अपराध की दी जानकारी

नई टिहरी : टिहरी पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता 2023 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 को लेकर शनिवार को नरेंद्रनगर और घनसाली के स्थानीय लोगों को जानकारी दी। जानकारी के लिए पोस्टर, थीम और पंपलेट का उपयोग भी किया। पुलिस की मीडिया सेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार एसएसपी नवनीत सिंह भुल्लर के निर्देश पर स्थानीय लोगों को नए कानूनों की जानकारी देने का काम शुरू किया गया है। थाना घनसाली व नरेंद्रनगर पुलिस ने क्षेत्र के लोगों के साथ गोष्ठी आयोजित कर जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। सभी लोगों को नए कानूनों के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। महिला अपराधों व साइबर अपराधों में विस्तार से अवगत कराया गया। नरेंद्रनगर क्षेत्र अंतर्गत नगर पालिका टाउन हॉल एवं पॉलिटेक्निक परिसर व टैक्सी स्टैंड में कार्यक्रमों का आयोजन कर नये कानूनों की जानकारी दी। जानकारी देने वालों में थानाध्यक्ष घनसाली संजीव थपलियाल, एसआई सतेन्द्र भण्डारी सहित अन्य मौजूद रहे। (एजेंसी)

केदारनाथ के रावल स्वस्थ होकर लौटे

रुद्रप्रयाग : केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग का स्वास्थ्य अब पूरी तरह ठीक है। वे देहरादून में उपचार कराने के बाद ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ लौट आए हैं। उनके स्वास्थ्य में काफी सुधार आ गया है। इधर, ऊखीमठ पहुंचने पर कई लोग उनका हालचाल पूछने के लिए उनके आवास पर गए। बता दें कि केदारनाथ रावल का 23 मई सुबह अचानक स्वास्थ्य खराब हो गया था।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 की मतगणना को निष्पक्ष एवं सफलतापूर्वक संपादित कराने के लिए अगस्त्यमुनि क्रीड़ा हॉल में की जाने वाली मतगणना के लिए की जाने वाली तैयारियों एवं व्यवस्थाओं का जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने निरीक्षण कर जायजा लिया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी/ जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने स्ट्रांग रूम एवं सीसीटीवी कैमरा कक्ष का भी निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ईवीएम की सुरक्षा में तैनात सुरक्षा बलों को अपने दायित्वों का निर्वहन संवेदनशीलता के साथ करने के निर्देश दिए।अगस्त्यमुनि क्रीड़ा हॉल में आगामी 04 जून को लोकसभा सामान्य निर्वाचन की जाने वाली मतगणना के लिए की जा रही व्यवस्थाओं एवं तैयारियों का जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। उन्होंने नोडल अधिकारी बैरिकेडिंग/ अधिशासी अभियंता लोनिवि इंद्रजीत बोस को निर्देश दिए हैं कि मतणना के लिए दोनों विधान सभाओं में 14-14 टेबिल लगाई जानी हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार ही टेबिल सेटिंग का कार्य किया जाए, मतगणना हॉल में सुरक्षा मानकों के अनुसार बैरिकेडिंग की जाए तथा प्रत्याशियों के अभिकर्ताओं के लिए बैठने के लिए उचित प्रबंधन करें। उन्होंने मतगणना हॉल में गणना कार्मिकों को गरमी के कारण कोई दिक्कत एवं परेशानी न हो इसके लिए दोनों विधान सभाओं के मतगणना हॉल में पर्याप्त मात्रा में एसी टावर लगाने के निर्देश दिए। इसके साथ ही विद्युत व्यवस्था का भी उचित प्रबंधन करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि मतगणना केंद्र के बाहर सुरक्षा की दृष्टि से बैरिकेडिंग ठीक ढंग से करें। इसके साथ ही प्रेस प्रतिनिधियों के लिए बनाए जाने वाले मीडिया सेंटर को भी तैयार करने के निर्देश दिए।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382—222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail:
nagendra.uniyal@gmail.com